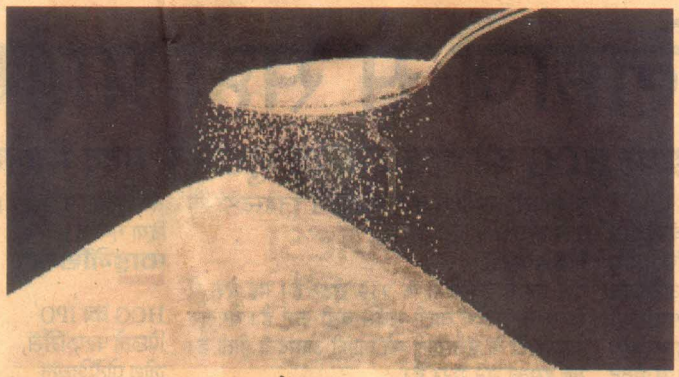

शुगर में वोलैटिलिटी रोकने के लिए NCDEX ने बढ़ाया मार्जिन

[जयश्री भोसले | पुणे]

नेशनल कमोडिटीज एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) ने सभी शुगर कॉन्ट्रैक्ट्स पर 5 पर्सेंट का एक्सट्रा मार्जिन लगाया है। एक्सचेंज का यह फैसला 11 मार्च से लागू होगा। एनसीडीईएक्स ने शुगर कॉन्ट्रैक्ट्स में वोलैटिलिटी कम करने के लिए यह कदम उठाया है। एक्सचेंज के ऑफिशियल ने बताया, 'शुगर कॉन्ट्रैक्ट में वोलैटिलिटी बढ़ गई थी। इसलिए एक्सट्रा मार्जिन लगाने का फैसला किया गया है।'

जुलाई में एक्सपायर होने वाला कॉन्ट्रैक्ट गुरुवार को 3,457 रुपये प्रति क्विंटल पर ट्रेड कर रहा था, जबकि अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 3,572 रुपये पर चल रहा था। वहीं, अभी महाराष्ट्र में बिना ड्यूटी के एक्स-मिल शुगर प्राइस 3,000 रुपये प्रति क्विंटल है। 5 पर्सेंट का एडिशनल मार्जिन लॉन्ग और शॉर्ट दोनों ही सौदों के लिए लगाया गया है। यह मौजूदा और भविष्य में लॉन्च होने वाले कॉन्ट्रैक्ट्स पर लागू होगा।

इस बढ़ोतरी के बाद शुगर कॉन्ट्रैक्ट्स पर कुल मार्जिन 9 पर्सेंट हो गया है। आमतौर पर मार्जिन मनी बढ़ने पर संबंधित कमोडिटी ट्रेड पर नेगेटिव असर होता है

इस बारे में जियोफिन कॉमट्रेड की रिसर्च एनालिस्ट पल्लवी मुननकर ने कहा, 'इस बढ़ोतरी के बाद शुगर कॉन्ट्रैक्ट्स पर कुल मार्जिन 9 पर्सेंट हो गया है। आमतौर पर मार्जिन मनी बढ़ने पर संबंधित कमोडिटी ट्रेड पर नेगेटिव असर होता है। हालांकि, शुगर के मामले में मार्जिन बढ़ने का बुरा असर नहीं होगा क्योंकि इसके फंडामेंटल्स मजबूत दिख रहे हैं।' गर्मियों का सीजन शुरू होने के साथ चीन की मांग बढ़ने की उम्मीद की जा रही है क्योंकि गन्ने की पेराई का सीजन आखिरी फेज में है।

इंटरनेशनल मार्केट में शुगर की कीमत बढ़ने के चलते भारत से इसके एक्सपोर्ट में भी तेजी आई है। पहले जितने शुगर एक्सपोर्ट का अंदाजा लगाया गया था, अब एक्सपोर्ट उससे अधिक रह सकता है। इसमें महाराष्ट्र सरकार की ओर से नियमों में दी गई छूट का बड़ा रोल होगा। एनालिस्टों का कहना है कि सभी फैक्टर्स इस कमोडिटी के दाम को सपोर्ट करने वाले हैं। हालांकि, कुछ एनालिस्टों को लगता है कि एक महीने तक शुगर की कीमत 3,250 रुपये प्रति क्विंटल से कम रहेगी।

चॉइस ब्रोकिंग के एसोसिएट डायरेक्टर सुमित बागड़िया ने बताया, 'एक महीने तक चीनी की कीमत 3,000 रुपये से 3,250 रुपये प्रति क्विंटल के बीच रहेगी। चीनी का दाम पहले ही 2,000 रुपये से बढ़कर 3,200 रुपये तक पहुंच गया है। इसलिए इसमें सेलिंग बढ़ सकती है, जिससे चीनी की कीमत कम होगी।'